

Written by कुमार सौवीर  
Thursday, 14 June 2018 10:58

: 0000 0000 000 0000000, 0000 000000 00 0000000000000 00000000 : 0000000000  
0000 00 0000 0000000000 00 0000 00 0000000000 00000 : 00 0000000 00000000000 00  
0000000 00 0000 0000000000 0000 000000 : 00000 00 00000000 00 00000000 00000 00000  
00000000000 00 00000, 0000000 00000000 00 00000000 00 0000000 :

000000 000000

00000 : इससे बेहतर तो अखलिश यादव थे। अखलिश ने अनलि यादव को भले ही रेवड़ी की तरह यूपी लोकसेवा आयोग के अधीन यक्ष की कुर्सी थमा दी थी। लेकिन जैसे ही अदालत ने अनलि यादव पर कड़ी प्रतिक्रिया की, अखलिश ने अदालत का सम्मान मान लिया और बिना किसी चीं-चुपड़ के ही अनलि यादव को वदा कर दिया। भले ही अगला अधीन यक्ष अनरिद्ध यादव भी अखलिश यादव का ही खासमखास नक्ला। लेकिन इसके बावजूद ताश की गड्डी फेंटने में जो साफगोई अखलिश यादव ने दिखायी, वह बेमिसाल रही।

लेकिन अब हालत यह है कि आयोग की कहली, नाकरापन के ली जमि मेदार अनरिद्ध सहि पर योगी सरकार चूं तक नहीं बोल पा रही है। पीसी स की दो परीक्षाओं का परणाम तक अनरिद्ध सहि नहीं घोषित कर पाये है, लेकिन आनन-फानन नयी परीक्षाओं की तारीख घोषित जरूर कर डाली जाहरि है कि इससे सामान्य अर्ह यर्थियों का गुस्सा सा भड़क गया है। किसी भी सोशल साइट पर आप यूपी लोकसेवा आयोग की कर्यशैली पर तनकि भी कमेंट कर दीजा, रोते-बलिखते युवक युवतियां भरभरा कर वहीं पहुंच जागे।

जरा उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग के इतिहास की हालिया हरकतों पर नजर डालिये, तो आपके साफपता चल जागा कि आयोग में कर्यशैली और वृथक था के नाम पर केवल भ्रष्टाचार और बेईमानी ही रची-बसी रही है। पद बेचे-खरीदे गये है, परीक्षा-घोटाले भरमार है। जिसकी भी क्षमता होती है, वह अपने-अपनों के बच्चे को के ली मनचाहा पद लेकर भाग नक्लि जाते है। मोटी रकम की जरूरत होती है, या फिर राजनीतिक पहुंच अखलिश सरकार ने तो यहां बेईमानी की कगजब दूकन खुलवा दी थी।

अर्ह यर्थियों के ली जूझने के मुताबकि आप गौर कीजा कि 29 मार्च 2015 पीसी स 2015 प्रारंभिक परीक्षा का पेपर लीक होता है। छात्रों के उग्र आंदोलन के बाद प्रथम पाली का परीक्षा नरिस्त किया गया और छात्रों के साथ गंदा मजाक किया गया। यह सलिसलिया यहीं नहीं रुक्ता है। समीक्षा अधिकरी 2016 का पेपर भी लीक होता है जिसका जांच आज भी लंबति है और अर्ह यर्थियों के अमूल्य समय को बर्बाद किया जा रहा है। यह सब का सुनयोजति तरीके से होता रहा और भ्रष्टाचार का सलिसलिया बढ़ता गया। हमारे नौजवानों के भवष्य के साथ खलिवाड़ होता रहा सरकारें चुप थी और नौजवान परेशान था।

0000 000 0000 00000 00 000000 000000 00 0000 00 00000000 000000, 00 000000 0000000 00000 00  
000000 00000000 :-

Written by कुमार सोवीर

Thursday, 14 June 2018 10:58

---

[000000 00 0000 00 0000000 00 00000000 0000 0000 00000000000](#)

यहां लोकतंत्र में लोकखत्म हो गया था। और तंत्र ही बचा था। इसकउदाहरण उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग में व्याप्त भ्रष्टाचार केवदुद्ध में उतरे लाखों प्रतियोगी छात्रों पर 48 बार लाठीचार्ज 7 बार फयरिंग वाटर कैनन,आंसू गैस केगोले छोड़े गे। प्रतियोगी छात्रों को जेल भेजा गया बात यहीं नहीं खत्म होती है। कई बार तो छात्रों पर संगीन धाराएं लगाई गईं जैसे 7A /CLA गुंडा कृष्ण यहां तककि कुछ छात्रों के 5000 क इनामी अपराधी तकघोषति कर दिया गया था। इस बात से उस समय में लोकतंत्र क अनुमान लगाया जा सकता है। लोकसेवा आयोग के भ्रष्टाचार के क्रीब से समझने और लखिने वाले इलाहाबाद केवरषिष्ठ पत्रकार अखलिेश मशि्रा कहते हैं, आयोग में त्रस्तिरीय आरक्षण व्यवस्था जब लागू हुआ तो छात्रों ने इसकेखलिफआंदोलन किया बाद में आयोग ने इसे बदला तो भ्रष्टाचार खुलकर सामने आया।

बहरहाल, अनलि यादव केबदले गये, और उनकी जगह अनरिद्ध बैठे। उसकेबाद नषिक्कयिता की भयावह हालत पैदा हो गयी। हैरत की बात है कि योगी के मुख् यमंत्त्री बनने केसवा बरस बीत जाने केबाद भी सरकार ने इस आयोग पर कोई भी ध् यान नहीं दिया। कबार भी सरकार ने यह नहीं सोचा कि यूपी के अप्सरों की आपूर्तक करने वाली इस पैम्ट्री ट्री यानी यूपी लोकसेवा आयोग के चुस् त-दुरूस् त करना ही नहीं, बल्कि युवाओं में बढ़ती जा रही हताशा के दूर करने केला। भी आयोग के सुधारना जरूरी है।

हालत यह है कि अपने भवषि य से भयभीत इन अभ् यर्थियों ने योगी सरकार पर ही लानत भेजना शुरू कर दिया है।